

0329-0390 - Gregorius Nazianzenus - In sanctum pascha et in tarditatem

This text belongs to the [Thesaurus Linguae Graecae](#) (TLG®), a Research Center at the [University of California, Irvine](#), which digitized it and owns the relevant ©Copyright. On May 15, 2008, Prof. M. [Pantelia](#), the Director of the Center, has expressly authorized www.documentacatholicaomnia.eu to post it into our site.

Cooperatorum Veritatis Societas thanks the prof. Pantelia, the Center, and the University of California, Irvine, of having granted the opportunity to make publicly available this text of high quality, serial number '2022 015'.

Charset and format of the text have been changed in order to make it possible the computation of analytic indexes and concordances. [Analytical indexes](#) and [concordances](#) have been made by the Cooperatorum Veritatis Societas.

In sanctum pascha et in tarditatem

- [00001] ΤΟΥ ΕΝ ΑΓΙΟΙΣ ΠΑΤΡΟΣ ΗΜΩΝ ΓΡΗΓΟΡΙΟΥ ΤΟΥ ΘΕΟΛΟΓΟΥ ΑΡΧΙΕΠΙΣΚΟΠΟΥ ΚΩΝΣΤΑΝΤΙΝΟΥΠΟΛΕΩΣ ΛΟΓΟΙ.
- [00002] ΛΟΓΟΣ Α'.
- [00003] Εἰς τὸ ἅγιον Πάσχα καὶ εἰς τὴν βραδυτῆτα.
- [00004] Α'.
- [00005] Ἀναστάσεως ἡμέρα, καὶ ἡ ἀρχὴ δεξιᾶ, καὶ λαμπρυνθῶμεν τῇ πανηγύρει, καὶ ἀλλήλους περιπτυσώμεθα·
- [00006] εἰπόμεν, ἀδελφοὶ, καὶ τοῖς μισοῦσιν ἡμᾶς, μὴ ὅτι τοῖς δι' ἀγάπην τι πεποιηκόσιν, ἢ πεπονθόσι·
- [00007] συγχωρήσωμεν πάντα τῇ ἀναστάσει·
- [00008] δῶμεν συγ γνώμην ἀλλήλοις, ἐγὼ τε ὁ τυραννηθεὶς τὴν καλὴν τυραννίδα, τοῦτο γὰρ νῦν προστίθημι, καὶ ὑμεῖς οἱ καλῶς τυραννήσαντες, εἴ τί μοι μέμφοισθε τῆς βραδυτῆτος, ὡς τάχα γε κρείττων αὕτη καὶ τι μιωτέρα Θεῷ τῆς ἐτέρων ταχυτῆτος·
- [00009] ἀγαθὸν γὰρ καὶ ὑποχωρῆσαι Θεῷ τι μικρόν, ὡς Μωϋσῆς ἐκεῖνος τὸ παλαιόν, καὶ Ἰερεμίας ὕστερον, καὶ προσδραμεῖν ἑτοιμῶς καλοῦντι, ὡς Ἀαρὼν τε καὶ Ἡσαΐας, μόνον εὐσεβῶς ἀμφοτέρω, τὸ μὲν διὰ τὴν οἰκείαν ἀσθέ νειαν, τὸ δὲ διὰ τὴν τοῦ καλοῦντος δύναμιν.
- [00010] Β'.
- [00011] Μυστήριον ἔχρισέ με, μυστηρίῳ μικρόν ὑπεχώρησα, ὅσον ἑμαυτὸν ἐπισκέψασθαι·
- [00012] μυστηρίῳ καὶ συνεισέρχομαι, καλὴν ἐπαγόμενος τῆς ἐμῆς δειλίας καὶ ἀσθενείας ἐπίκουρον τὴν ἡμέραν, ἴν' ὁ σήμερον ἐκ νεκρῶν ἀναστὰς καμὲ καινοποιήσῃ τῷ ^[35.397] πνεύματι, καὶ τὸν καινὸν ἐνδύσας ἄνθρωπον, δῶ τῇ καινῇ κτίσει, τοῖς κατὰ Θεὸν γεννωμένοις, πλάστην ἀγαθὸν καὶ διδάσκαλον Χριστῷ καὶ συννεκροῦ μένον προθύμως καὶ συνανιστάμενον.
- [00013] Γ'.
- [00014] Χθὲς ὁ ἀμνὸς ἐσφάζετο, καὶ ἐχρίοντο αἱ φλιαὶ, καὶ ἐθρήνησεν Αἴγυπτος τὰ πρωτότοκα, καὶ ἡμᾶς παρήλθεν ὁ ὀλοθρεύων, καὶ ἡ σφραγὶς φοβερὰ καὶ αἱ δέσιμος, καὶ τῷ τιμίῳ αἵματι ἐτειχίσθημεν·
- [00015] σὴ μερον καθαρῶς ἐφύγομεν Αἴγυπτον, καὶ Φαραῶ τὸν πικρὸν δεσπότην, καὶ τοὺς βαρεῖς ἐπιστάτας, καὶ τοῦ πηλοῦ καὶ τῆς πλινθείας ἠλευθερώθημεν·
- [00016] καὶ οὐδεὶς ὁ κωλύσων ἡμᾶς ἐορτάζειν Κυρίῳ τῷ Θεῷ ἡμῶν ἐορτὴν τὴν ἐξόδιον, καὶ ἐορτάζειν, οὐκ ἐν ζύ μη παλαιᾷ κακίας καὶ πονηρίας, ἀλλ' ἐν ἄζύμοις εἰλικρινείας καὶ ἀληθείας, μηδὲν ἐπιφερομένους Αἰγυπτιακοῦ καὶ ἀθέου φυράματος.
- [00017] Δ'.
- [00018] Χθὲς συνεσταυρούμην Χριστῷ, σήμερον συνδο ξάζομαι·
- [00019] χθὲς συνενεκρούμην, συζωοποιούμαι σήμε ρον·
- [00020] χθὲς συνεθαπτόμην, σήμερον συνεγείρομαι.
- [00021] Ἀλλὰ καρποφορήσωμεν τῷ ὑπὲρ ἡμῶν παθόντι καὶ ἀναστάντι.
- [00022] Χρυσὸν με ἴσως οἶεσθε λέγειν, ἢ ἄργυρον, ἢ ὑφάσματα, ἢ λίθους τῶν διαφανῶν καὶ τιμίων, γῆς ῥέουσιν ὕλην, καὶ κάτω μένουσαν, ἧς αἰεὶ τὸ πλεῖον ἔχουσιν οἱ κακοὶ καὶ δούλοι τῶν κάτω καὶ τοῦ κοσμο κράτορος.
- [00023] Καρποφορήσωμεν ἡμᾶς αὐτοὺς, τὸ τι μιώτατον Θεῷ κτῆμα καὶ οικειότατον·
- [00024] ἀποδῶμεν τῇ εἰκόνι τὸ κατ' εἰκόνα, γνωρίσωμεν ἡμῶν τὸ ἀξίωμα, τιμήσωμεν τὸ ἀρχέτυπον, γνῶμεν τοῦ μυστηρίου τὴν δύναμιν, καὶ ὑπὲρ τίνος Χριστὸς ἀπέθανε.
- [00025] Ε'.

- [00026] Γενώμεθα ὡς Χριστός, ἐπεὶ καὶ Χριστός ὡς ἡμεῖς·
- [00027] γενώμεθα θεοὶ δι' αὐτὸν, ἐπειδὴ κάκεῖνος δι' ἡμᾶς ἄνθρωπος.
- [00028] Προσέλαβε τὸ χειρὸν, ἵνα δῶ τὸ βέλτιον·
- [00029] ἐπτώχευσεν, ἵν' ἡμεῖς τῆ ἐκείνου πτωχεΐᾳ πλουτήσωμεν·
- [00030] δούλου μορφὴν ἔλαβεν, ἵνα τὴν ἔλευ ^[35.400] θερίαν ἡμεῖς ἀπολάβωμεν·
- [00031] κατῆλθεν, ἵν' ὑψωθῶμεν·
- [00032] ἐπειράσθη, ἵνα νικήσωμεν·
- [00033] ἠτιμάσθη, ἵνα δοξάσῃ·
- [00034] ἀπέθανεν, ἵνα σώσῃ·
- [00035] ἀνήλθεν, ἵν' ἐλκύσῃ
- [00036] Επιτρέπετα
- [00037] πρὸς ἑαυτὸν κάτω κειμένους ἐν τῷ τῆς ἁμαρτίας πτώματι.
- [00038] Πάντα διδότης τις, πάντα καρποφορεῖται τῷ δόντι ἑαυτὸν λυτρὸν ὑπὲρ ἡμῶν καὶ ἀντάλλαγμα·
- [00039] δώσει δὲ οὐδὲν τοιοῦτον οἷον ἑαυτὸν τοῦ μυστηρίου συνιέντα, καὶ δι' ἐκεῖνον πάντα ὅσα ἐκεῖνος δι' ἡμᾶς γενόμενον.
- [00040] ζ'.
- [00041] Καρποφορεῖ μὲν ὑμῖν, ὡς ὄρατε, ποιμένα·
- [00042] τοῦ το γὰρ ἐλπίζει καὶ εὐχεται, καὶ παρ' ὑμῶν αἰτεῖ τῶν ὑπὸ χεῖρα ὁ ποιμὴν ὁ καλὸς, ὁ τιθεὶς τὴν ψυχὴν ὑπὲρ τῶν προβάτων·
- [00043] καὶ διπλοῦν ἀνθ' ἀπλοῦ δίδωσιν ὑμῖν ἑαυτόν·
- [00044] καὶ ποιεῖται τὴν βακτηρίαν τοῦ γήρωος βακτηρίαν τοῦ πνεύματος·
- [00045] καὶ προστίθησι τῷ ἀψύχῳ ναῶν τὸν ἔμψυχον, τῷ περικαλλεῖ, τῷ δὲ καὶ οὐρανίῳ, τὸν ὁποιοῦν καὶ ἠλίκον, ἀλλ' οὖν τὸν ἑαυτῷ τιμιώτατον, καὶ αὐτὸν ἰδρῶσι πολλοῖς συντελεσθέντα, καὶ πόνους, εἷη δὲ εἰπεῖν, ὅτι καὶ τῶν πόνων ἄξιον·
- [00046] καὶ πάντα προστίθησιν ὑμῖν τὰ ἑαυτοῦ.
- [00047] Ὡ τῆς μεγαλοψυχίας, ἢ, τό γε ἀληθέστερον εἰπεῖν, τῆς φιλοτεκνίας·
- [00048] τὴν πολιάν, τὴν νεότητα, τὸν ναὸν, τὸν ἀρχιερέα, τὸν κληροδότην, τὸν κληρονόμον, τοὺς λόγους, οὓς ἐποθεῖτε·
- [00049] καὶ τούτων οὐ τοὺς εἰκῆ, καὶ εἰς ἀέρα ῥέοντα, καὶ μέχρι τῆς ἀκοῆς ἴσταμένους, ἀλλ' οὓς γράφει τὸ πνεῦμα, καὶ πλαξὶν ἐντυποὶ λιθίνας, εἴτουν σαρκίνας, οὐκ ἐξ ἐπιπολῆς χαρασσομένους, οὐδὲ ῥαδίως ἀπαλειφομένους, ἀλλ' εἰς βάθος ἐν σημαινομένους, οὐ μέλανι, ἀλλὰ χάριτι.
- [00050] Ζ'.
- [00051] Ταῦτα μὲν οὖν ὑμῖν ὁ σεμνὸς Ἀβραάμ οὐτος, ὁ πατριάρχης, ἡ τιμία κεφαλὴ καὶ αἰδέσιμος, τὸ πάντων τῶν καλῶν καταγωγίον, ὁ τῆς ἀρετῆς κανὼν, ἡ τῆς ἱερωσύνης τελείωσις, ὁ τὴν ἐκούσιον θυσίαν προσάγων τῷ Κυρίῳ σήμερον, τὸν μονογενῆ, τὸν ἐκ τῆς ἐπαγγελίας.
- [00052] Ὑμεῖς δὲ καρποφορεῖτε καὶ Θεῷ καὶ ἡμῖν τὸ καλῶς ποιμαίνεσθαι, εἰς τόπον χλόης κατασκηνούμενοι, καὶ ἐπὶ ὕδατος ἀναπαύσεως ἐκτρεφόμενοι, γινώσκοντες καλῶς τὸν ποιμένα, καὶ γινωσκόμενοι, καὶ ἐπόμενοι καλοῦντι ποιμενικῶς καὶ ἐλευθερίως διὰ τῆς θύρας·
- [00053] ἄλλοτρίῳ δὲ μὴ ἀκολουθοῦντες ὑπερβαίνοντι διὰ τῆς αὐλῆς, ληστρικῶς τε καὶ ^[35.401] ἐπιβούλως, μηδὲ ξένης φωνῆς ἀκούοντες, ὑποκλεπτύσης καὶ διασπειρούσης ἀπὸ τῆς ἀληθείας εἰς ὄρη, καὶ ἐρημίας, καὶ βάραθρα, καὶ τόπους, οὓς οὐκ ἐπισκοπεῖ Κύριος, καὶ ἀπὸ μὲν τῆς ὑγιοῦς πίστεως ἀπαγούσης, τῆς εἰς Πατέρα, καὶ Υἱόν, καὶ ἅγιον Πνεῦμα, τὴν μίαν θεότητά τε καὶ δύναμιν, ἧς ἤκουσεν αἰεὶ φωνῆς, καὶ ἀκούει τὰ ἐμὰ πρόβατα, λόγοις δὲ κιβδήλοις καὶ κατεφθαρμένοις συλαγωγούσης καὶ διασπώσης ἀπὸ τοῦ ἀληθινοῦ καὶ πρώτου ποιμένου·
- [00054] ὧν εἷη πάντας ἡμᾶς, καὶ ποιμένας καὶ ποιμνιον, ὡς νοσερᾶς πῶας καὶ θανασίμου πόρρω, καὶ νεμομένους καὶ νέμοντας, ἐν εἶναι πάντας ἐν Χριστῷ Ἰησοῦ νῦν τε καὶ εἰς τὴν ἐκείθεν ἀνάπαυσιν·
- [00055] ᾧ ἡ δόξα καὶ τὸ κράτος εἰς τοὺς αἰῶνας.
- [00056] Ἀμήν.
- [00057] Επιτρέπετα

© 2006 Cooperatorum Veritatis Societas quoad hanc editionem iura omnia asservantur.
 0329-0390 - Gregorius Nazianzenus - In sanctum pascha et in tarditatem
 Litterarum Omnium Conspectus: 115 Litterae, quae repetitae sunt in 4,269 occasionibus

| | | | | | |
|---|------|-----|---|------|----|
| α | 0945 | 319 | A | 0913 | 9 |
| β | 0946 | 19 | B | 0914 | 1 |
| γ | 0947 | 48 | Γ | 0915 | 8 |
| δ | 0948 | 63 | Δ | 0916 | 0 |
| ε | 0949 | 223 | E | 0917 | 8 |
| ζ | 0950 | 8 | Z | 0918 | 1 |
| η | 0951 | 56 | H | 0919 | 2 |
| θ | 0952 | 64 | Θ | 0920 | 7 |
| ι | 0953 | 179 | I | 0921 | 7 |
| κ | 0954 | 180 | K | 0922 | 7 |
| λ | 0955 | 100 | Λ | 0923 | 4 |
| μ | 0956 | 161 | M | 0924 | 3 |
| ν | 0957 | 372 | N | 0925 | 5 |
| ξ | 0958 | 11 | Ξ | 0926 | 0 |
| ο | 0959 | 265 | O | 0927 | 17 |
| π | 0960 | 133 | Π | 0928 | 9 |
| ρ | 0961 | 156 | P | 0929 | 4 |
| ς | 0962 | 185 | • | 0930 | 0 |
| σ | 0963 | 139 | Σ | 0931 | 6 |
| τ | 0964 | 293 | T | 0932 | 6 |
| υ | 0965 | 81 | Υ | 0933 | 7 |
| φ | 0966 | 26 | Φ | 0934 | 1 |
| χ | 0967 | 30 | X | 0935 | 10 |
| ψ | 0968 | 6 | Ψ | 0936 | 0 |
| ω | 0969 | 56 | Ω | 0937 | 3 |
| ϑ | 8164 | 1 | | | 0 |
| ϑ | 8165 | 4 | P | 8172 | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|------|----|---|------|----|---|-------|----|---|------|----|---|------|----|---|------|----|---|------|----|
| ά | 8049 | 43 | έ | 8051 | 46 | ή | 8053 | 21 | ί | 8055 | 63 | ό | 8057 | 37 | ύ | 8059 | 33 | ώ | 8061 | 18 |
| ὰ | 8048 | 19 | ὲ | 8050 | 24 | ῆ | 80852 | 26 | ὶ | 8054 | 97 | ὸ | 8056 | 55 | ὺ | 8058 | 5 | ὠ | 8060 | 2 |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|------|----|---|------|----|------|------|----|------|------|----|---|------|------|----|------|------|----|------|----|
| ἄ | 8118 | 9 | | 0 | ῆ | 8134 | 35 | ῖ | 8150 | 34 | | 0 | ῡ | 8166 | 32 | ῜ | 8182 | 28 | | |
| ἄ | 7936 | 54 | ἔ | 7952 | 45 | ῆ | 7968 | 2 | ῖ | 7984 | 22 | ὀ | 8000 | 1 | ῡ | 8016 | 14 | ῜ | 8032 | 0 |
| ἄ | 7937 | 2 | ἔ | 7953 | 14 | ῆ | 7969 | 23 | ῖ | 7985 | 7 | ὀ | 8001 | 14 | ῡ | 8017 | 18 | ῜ | 8033 | 7 |
| ἄ | 7938 | 0 | ἔ | 7954 | 0 | ῆ | 7970 | 5 | ῖ | 7986 | 0 | ὀ | 8002 | 0 | ῡ | 8018 | 0 | ῜ | 8034 | 0 |
| ἄ | 7939 | 0 | ἔ | 7955 | 1 | ῆ | 7971 | 0 | ῖ | 7987 | 0 | ὀ | 8003 | 0 | ῡ | 8019 | 3 | ῜ | 8035 | 0 |
| ἄ | 7940 | 4 | ἔ | 7956 | 4 | ῆ | 7972 | 1 | ῖ | 7988 | 9 | ὀ | 8004 | 1 | ῡ | 8020 | 1 | ῜ | 8036 | 0 |
| ἄ | 7941 | 2 | ἔ | 7957 | 0 | ῆ | 7973 | 0 | ῖ | 7989 | 10 | ὀ | 8005 | 4 | ῡ | 8021 | 4 | ῜ | 8037 | 0 |
| ἄ | 7942 | 0 | | | 0 | ῆ | 7974 | 0 | ῖ | 7990 | 1 | | | 0 | ῡ | 8022 | 2 | ῜ | 8038 | 0 |
| ἄ | 7943 | 0 | | | 0 | ῆ | 7975 | 2 | ῖ | 7991 | 1 | | | 0 | ῡ | 8023 | 1 | ῜ | 8039 | 1 |
| ἄ | 8064 | 0 | | | 0 | ῆ | 8080 | 0 | | | 0 | | | 0 | ῡ | 8167 | 0 | ῜ | 8096 | 0 |
| ἄ | 8065 | 0 | | | 0 | ῆ | 8081 | 0 | | | 0 | | | 0 | ῡ | 8163 | 0 | ῜ | 8097 | 0 |
| ἄ | 8066 | 0 | | | 0 | ῆ | 8082 | 0 | | | 0 | | | 0 | | | 0 | ῜ | 8098 | 0 |
| ἄ | 8067 | 0 | | | 0 | ῆ | 8083 | 0 | | | 0 | | | 0 | | | 0 | ῜ | 8099 | 0 |
| ἄ | 8068 | 0 | | | 0 | ῆ | 8084 | 0 | | | 0 | | | 0 | | | 0 | ῜ | 8100 | 0 |
| ἄ | 8069 | 0 | | | 0 | ῆ | 8085 | 0 | | | 0 | | | 0 | | | 0 | ῜ | 8101 | 0 |
| ἄ | 8070 | 0 | | | 0 | ῆ | 8086 | 0 | | | 0 | | | 0 | | | 0 | ῜ | 8102 | 0 |
| ἄ | 8071 | 0 | | | 0 | ῆ | 8087 | 0 | | | 0 | | | 0 | | | 0 | ῜ | 8103 | 1 |
| ἄ | 8115 | 2 | | | 0 | ῆ | 8131 | 6 | | | 0 | | | 0 | | | 0 | ῜ | 8179 | 8 |
| ἄ | 8116 | 0 | | | 0 | ῆ | 8132 | 0 | | | 0 | | | 0 | | | 0 | ῜ | 8180 | 0 |
| ἄ | 8119 | 1 | | | 0 | ῆ | 8135 | 6 | | | 0 | | | 0 | | | 0 | ῜ | 8183 | 22 |

Ceterae infrequentes vel rarissimae Litterae expositae non sunt

© 2006 Cooperatorum Veritatis Societas quoad hanc editionem iura omnia asservantur.
0329-0390 - Gregorius Nazianzenus - In sanctum pascha et in tarditatem
Verborum Omnium Conspectus: 503Verba, quae repetita sunt in 6,263,138 occasionibus

A [00002] [00004]
Λαρών [00009]
Ἀβραάμ [00051]
ἀγαθόν [00009] [00012]
ἀγάπην [00006]
ΑΓΙΟΙΣ [00001]
ἄγιον [00003] [00053]
ἀδελφοί [00006]
ἀεὶ [00022] [00053]
ἀέρα [00049]
ἀζύμοις [00016]
ἀθέου [00016]
αἱ [00014]
αἱ [00014]
Αἰγυπτιακοῦ [00016]
Αἴγυπτον [00015]
Αἴγυπτος [00014]
αἰδέσιμος [00051]
αἵματι [00014]
αἰτεῖ [00042]
αἰώνας [00055]
ἀκοῆς [00049]
ἀκολουθοῦντες [00053]
ἀκούοι [00053]

ἀκούοντες [00053]
 ἀληθείας [00016] [00053]
 ἀληθέστερον [00047]
 ἀληθινού [00053]
 ἀλλ [00016] [00045] [00049] [00049]
 ἀλλὰ [00049]
 Ἀλλὰ [00021]
 ἀλλήλοις [00008]
 ἀλλήλους [00005]
 ἀλλοτρίω [00053]
 ἀμαρτίας [00037]
 Ἀμὴν [00056]
 ἀμνός [00014]
 ἀμφότερα [00009]
 ἀναπαύσεως [00052]
 ἀνάπαισιν [00054]
 ἀναστάντι [00021]
 ἀναστάς [00012]
 ἀναστάσει [00007]
 Ἀναστάσεως [00005]
 ἀνήλθεν [00035]
 ἀνθ [00043]
 ἀνθρωπον [00012]
 ἀνθρωπος [00027]
 ἀντάλλαγμα [00038]
 ἄξιον [00045]
 ἀξίωμα [00024]
 ἀπαγούσης [00053]
 ἀπαλειφομένους [00049]
 ἀπέθανε [00024]
 ἀπέθανεν [00034]
 ἀπλού [00043]
 ἀποδῶμεν [00024]
 ἀπολάβωμεν [00030]
 ἄργυρον [00022]
 ἀρετῆς [00051]
 ἀρχέτυπον [00024]
 ἀρχή [00005]
 ἈΡΧΙΕΠΙΣΚΟΠΟΥ [00001]
 ἀρχιερέα [00048]
 ἀσθέ [00009]
 ἀσθενείας [00012]
 αὐλῆς [00053]
 αὐτή [00008]
 αὐτὸν [00027] [00045]
 αὐτοῦς [00023]
 ἀψύχῳ [00045]

Β [00010]
 βάθος [00049]
 βακτηρίαν [00044] [00044]
 βάραθρα [00053]
 βαρεῖς [00015]
 βέλ [00028]
 βραδυτήτα [00003]
 βραδυτήτος [00008]

Γ [00013]
 γὰρ [00008] [00009] [00042]
 γε [00008] [00047]
 γενῆ [00051]
 γεννωμένοις [00012]
 γενόμενον [00039]
 Γενώμεθα [00026]
 γενώμεθα [00027]
 γή [00044]
 γῆς [00022]
 γινωσκόμενοι [00052]
 γινώσκοντες [00052]
 γνώμεν [00024]
 γνώμην [00008]
 γνωρίσωμεν [00024]
 γράφει [00049]
 ΓΡΗΓΟΡΙΟΥ [00001]

Δ [00017]
 δε [00009] [00039] [00045] [00045] [00052] [00053] [00053]
 δειλίας [00012]
 δεξιά [00005]
 δέσιμος [00014]
 δεσπότην [00015]
 δι [00006] [00027] [00027] [00039] [00039]
 διά [00009] [00009] [00052] [00053]
 διασπειρούσης [00053]
 διασπώσης [00053]
 διαφανών [00022]
 διδάσκαλον [00012]
 διδόντω [00038]
 δίδωσιν [00043]
 διπλοῦν [00043]
 δόντι [00038]
 δόξα [00055]
 δοξά [00033]
 δούλοι [00022]
 δούλου [00030]
 δύναμιν [00009] [00024] [00053]
 δῶ [00012] [00028]
 δῶμεν [00008]
 δώσει [00039]

Ε [00025]
 εἰς [00045]
 εἰαυτὸν [00037] [00038] [00039]
 εἰαυτόν [00043]
 εἰαυτοῦ [00046]
 ἐγώ [00008]
 ἐθρήνησεν [00014]
 εἶ [00008]

εἶη [00045] [00054]
 εἶκη [00049]
 εἰκόνα [00024]
 εἰκόνι [00024]
 εὐλακρινείας [00016]
 εἶναι [00054]
 εἶπειν [00045] [00047]
 εἶπωμεν [00006]
 Εἰς [00003]
 εἰς [00003] [00049] [00049] [00052] [00053] [00053] [00054] [00055]
 εἵτουρ [00049]
 ἐκ [00012] [00051]
 ἐκείθεν [00054]
 ἐκείνον [00039]
 ἐκείνος [00009] [00039]
 ἐκείνου [00029]
 ἐκούσιον [00051]
 ἐκτρεφόμενοι [00052]
 ἔλαβεν [00030]
 ἔλεν [00030]
 ἔλευθερίως [00052]
 ἐλκύση [00035]
 ἐλπίζει [00042]
 ἐμὰ [00053]
 ἐμαυτὸν [00011]
 ἐμῆς [00012]
 ἐμψυχον [00045]
 ἐν [00016] [00016] [00037] [00049] [00054]
 ἐν [00054]
 ΕΝ [00001]
 ἐνδύσας [00012]
 ἐντυποὶ [00049]
 ἐξ [00049]
 ἐξόδιον [00016]
 ἐορτάζειν [00016] [00016]
 ἐορτήν [00016]
 ἐπαγγελίας [00051]
 ἐπαγόμενος [00012]
 ἐπει [00026]
 ἐπειδὴ [00027]
 ἐπειράσθη [00032]
 ἐπὶ [00052]
 ἐπιβούλως [00053]
 ἐπικούρον [00012]
 ἐπιπολῆς [00049]
 ἐπισκέψασθαι [00011]
 ἐπισκοπεῖ [00053]
 ἐπιστάτας [00015]
 Επιτρέπετα [00036] [00057]
 ἐπιφερομένους [00016]
 ἐποθεῖτε [00048]
 ἐπόμενοι [00052]
 ἐπτώχευσεν [00029]
 ἐρημίας [00053]
 ἐσφάζετο [00014]
 ἐτειχίσθημεν [00014]
 ἐτέρων [00008]
 ἐτοίμως [00009]
 εὐσεβῶς [00009]
 εὐχεται [00042]
 ἐφύγομεν [00015]
 ἔχουσιν [00022]
 ἐχρίοντο [00014]
 ἐχρισέ [00011]

Ζ [00050]
 ζύ [00016]

ἦ [00005] [00014] [00051] [00051] [00055]
 ἦ [00006] [00022] [00022] [00022] [00047]
 ἦκουσεν [00053]
 ἠλευθερώθημεν [00015]
 ἠλίκον [00045]
 ἠμάς [00006] [00014] [00016] [00023] [00027] [00039] [00054]
 ἠμεῖς [00026] [00029] [00030]
 ἠμέρα [00005]
 ἠμέραν [00012]
 ἠμῖν [00052]
 ἠμῶν [00016] [00021] [00024] [00038]
 ΗΜΩΝ [00001]
 ἦς [00022] [00053]
 Ἡσαΐας [00009]
 ἠτιμάσθη [00033]

θανασίμου [00054]
 θεοὶ [00027]
 ΘΕΟΛΟΓΟΥ [00001]
 Θεὸν [00012]
 θεότητά [00053]
 θερίαν [00030]
 Θεῶ [00008] [00009] [00016] [00023] [00052]
 θύρας [00052]
 θυσίαν [00051]

ἰδρωσι [00045]
 Ἰερεμίας [00009]
 ἰερωσύνης [00051]
 Ἰησοῦ [00054]
 ἰν [00012] [00029] [00031] [00035]
 ἰνα [00028] [00030] [00032] [00033] [00034]
 ἰσταμένους [00049]
 ἰσως [00022]

καθαρώς [00015]
 καινῇ [00012]
 καινὸν [00012]
 καινοποίησι [00012]

κάκεινος [00027]
 κακίας [00016]
 κακοί [00022]
 καλήν [00008] [00012]
 καλός [00042]
 καλούντι [00009] [00052]
 καλούντος [00009]
 καλών [00051]
 καλώς [00008] [00052] [00052]
 κάμῃ [00012]
 κανών [00051]
 Καρποφορεῖ [00041]
 καρποφορεῖτε [00052]
 καρποφορεῖτω [00038]
 Καρποφορήσωμεν [00023]
 καρποφορήσωμεν [00021]
 κατ [00024]
 καταγώγιον [00051]
 κατασκηνοῦμενοι [00052]
 κατεφθαρμένοις [00053]
 κατήλθεν [00031]
 κάτω [00022] [00022] [00037]
 κειμένους [00037]
 κεφαλή [00051]
 κιβδήλοις [00053]
 κληροδότην [00048]
 κληρονόμον [00048]
 κοσμο [00022]
 κράτορος [00022]
 κράτος [00055]
 κρείττων [00008]
 κτήμα [00023]
 κτίσει [00012]
 Κύριος [00053]
 Κυρίῳ [00016] [00051]
 κωλύσων [00016]
 ΚΩΝΣΤΑΝΤΙΝΟΥΠΟΛΕΩΣ [00001]

λαμπρυνθῶμεν [00005]
 λέγειν [00022]
 ληστικῶς [00053]
 λιθίνας [00049]
 λίθους [00022]
 ΛΟΓΟΙ [00001]
 λόγους [00053]
 ΛΟΓΟΣ [00002]
 λόγους [00048]
 λυτρῶν [00038]

με [00011] [00022]
 μεγαλοψυχίας [00047]
 μέλανι [00049]
 μέμφοισθε [00008]
 μὲν [00009] [00041] [00051] [00053]
 μεν [00031]
 μενον [00012]
 μένουσαν [00022]
 μερον [00015]
 μέχρι [00049]
 μηδὲ [00053]
 μηδὲν [00016]
 μίαν [00053]
 μικρὸν [00009] [00011]
 μισοῦσιν [00006]
 μιώτατον [00023]
 μιώτερα [00008]
 μοι [00008]
 μονο [00051]
 μόνον [00009]
 μορφήν [00030]
 Μυστήριον [00011]
 μυστηρίου [00024] [00039]
 μυστηρίῳ [00011] [00012]
 Μωϋσῆς [00009]

ναὸν [00048]
 ναῶ [00045]
 νειαν [00009]
 νεκρῶν [00012]
 νεμομένους [00054]
 νέμοντας [00054]
 νεότητα [00048]
 νικήσωμεν [00032]
 νοσερᾶς [00054]
 νῦν [00008] [00054]

ξάζομαι [00018]
 ξένης [00053]

ὁ [00008] [00012] [00014] [00014] [00016] [00042] [00042] [00042] [00051] [00051] [00051] [00051]
 οἱ [00008] [00022]
 οἶεσθε [00022]
 οἰκείαν [00009]
 οἰκειότατον [00023]
 οἶον [00039]
 ὀλοθρεύων [00014]
 ὅποιονοῦν [00045]
 ὀράτε [00041]
 ὄρη [00053]
 ὅσα [00039]
 ὅσον [00011]
 ὅτι [00006] [00045]
 οὐ [00049] [00049]
 οὐ [00051]
 οὐδὲ [00049]
 οὐδεὶς [00016]

οὐδὲν [00039]
 οὐκ [00016] [00049] [00053]
 οὖν [00045] [00051]
 οὐρανίῳ [00045]
 οὖς [00048] [00049] [00053]

παθόντι [00021]
 παλαιᾷ [00016]
 παλαιὸν [00009]
 πανηγύρει [00005]
 Πάντα [00038]
 πάντα [00007] [00038] [00039] [00046]
 πάντας [00054] [00054]
 πάντων [00051]
 παρ [00042]
 παρήλθεν [00014]
 Πάσχα [00003]
 Πατέρα [00053]
 πατριάρχης [00051]
 ΠΑΤΡΟΣ [00001]
 πεποιηκόσιν [00006]
 πεπονθό [00006]
 περικαλλεῖ [00045]
 περιπτυσώμεθα [00005]
 πηλοῦ [00015]
 πικρὸν [00015]
 πίστεως [00053]
 πλαξίν [00049]
 πλάστην [00012]
 πλείον [00022]
 πλινθείας [00015]
 πλουτήσωμεν [00029]
 Πνεῦμα [00053]
 πνεῦμα [00049]
 πνεύματι [00012]
 πνεύματος [00044]
 πόας [00054]
 ποιεῖται [00044]
 ποιμαίνεσθαι [00052]
 ποιμένα [00041] [00052]
 ποιμένας [00054]
 ποιμενικῶς [00052]
 ποιμένος [00053]
 ποιμῆν [00042]
 ποιμνιον [00054]
 πολίαν [00048]
 πολλοῖς [00045]
 πονηρίας [00016]
 πόνους [00045]
 πόνων [00045]
 πόρῳ [00054]
 πρόβατα [00053]
 προβάτων [00042]
 προθύμως [00012]
 πρὸς [00037]
 προσάγων [00051]
 προσδραμεῖν [00009]
 Προσέλαβε [00028]
 προστίθημι [00008]
 προστίθησι [00045]
 προστίθησιν [00046]
 πρωτότοκα [00014]
 πρώτου [00053]
 πτώμα [00037]
 πτωχεῖα [00029]

ῥαδίως [00049]
 ῥέοντας [00049]
 ῥέουσιν [00022]
 ρον [00019]
 ρως [00044]

ς [00040]

σαρκίνας [00049]
 σεμνός [00051]
 σή [00015]
 ση [00033]
 σημαινομένους [00049]
 σήμε [00019]
 σήμερον [00012] [00018] [00020] [00051]
 σθέντα [00045]
 σι [00006]
 συγ [00008]
 συγχωρήσωμεν [00007]
 συζωποιοῦμαι [00019]
 συλαγωγούσης [00053]
 συνανιστάμενον [00012]
 συνδο [00018]
 συνεγείρομαι [00020]
 συνεθιπτόμην [00020]
 συνεισέρχομαι [00012]
 συννεκρούμην [00019]
 συνεσταυρούμην [00018]
 συνιέντα [00039]
 συννεκρού [00012]
 συντελε [00045]
 σφραγίς [00014]
 σώση [00034]

τὰ [00014] [00046] [00053]
 Ταῦτα [00051]
 τάχα [00008]
 ταχυτήτος [00008]
 τε [00008] [00009] [00053] [00053] [00054]
 τελείωσις [00051]
 τῆ [00005] [00007] [00012] [00024] [00029]

τιήν [00003] [00008] [00009] [00009] [00012] [00016] [00024] [00030] [00042] [00044] [00048] [00048] [00051] [00053] [00054]
τής [00008] [00008] [00012] [00015] [00037] [00047] [00047] [00049] [00051] [00051] [00051] [00052] [00053] [00053] [00053] [00053]
τί [00008]
τι [00006] [00008] [00009] [00023] [00037]
τιθείς [00042]
τιμήσωμεν [00024]
τιμία [00051]
τιμίω [00014]
τιμιών [00022]
τιμιώτατον [00045]
τίνος [00024]
τιον [00028]
τις [00038]
τό [00003] [00009] [00009] [00009] [00022] [00023] [00024] [00024] [00028] [00028] [00049] [00051] [00052] [00055]
τό [00047]
το [00042]
τοιούτον [00039]
τοίς [00006] [00006] [00012]
τόν [00012] [00015] [00045] [00045] [00045] [00048] [00048] [00048] [00048] [00051] [00051] [00052]
τόπον [00052]
τόπους [00053]
τος [00051]
ΤΟΥ [00001] [00001]
τού [00009] [00015] [00022] [00024] [00039] [00042] [00044] [00044] [00053]
τούς [00015] [00048] [00049] [00055]
τούτο [00008]
τούτων [00049]
τυραννηθείς [00008]
τυραννήσαντες [00008]
τυραννίδα [00008]
τώ [00012] [00014] [00016] [00021] [00037] [00038] [00045] [00045] [00045] [00045] [00051]
τών [00022] [00022] [00042] [00042] [00045] [00051]

ύγιους [00053]
ύδατος [00052]
Υίων [00053]
ύλην [00022]
ύμεις [00008]
Ύμεις [00052]
ύμιν [00041] [00043] [00046] [00051]
ύμών [00042]
ύπερ [00021] [00024] [00038] [00042]
ύπερβαίνοντι [00053]
ύπεχώρησα [00011]
ύπό [00042]
ύποκλεπτούσης [00053]
ύποχωρήσαι [00009]
ύστερον [00009]
ύφάσματα [00022]
ύψωθώ [00031]

Φαραώ [00015]
φιλοτεκνίας [00047]
φλιαί [00014]
φοβερά [00014]
φυράματος [00016]
φώνης [00053] [00053]

χαρασσομένους [00049]
χάριτι [00049]
χείρα [00042]
χειρον [00028]
Χθές [00014] [00018]
χθές [00019] [00020]
χλόης [00052]
Χριστός [00024] [00026] [00026]
Χριστώ [00012] [00018] [00054]
Χρυσόν [00022]

ψυχήν [00042]

Ω [00047]
ώ [00055]
ών [00054]
ώς [00008] [00009] [00009] [00026] [00026] [00041] [00054]